पाठ्यक्रम

एम.ए. हिन्दी

(ikboV fo|kfFk;k d fy,)

(2014 - 2015)

हिन्दी विभाग
मानविकी एवं भाषा संकाय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली-110025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया : परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना 1920 में अलीगढ़ में हुई थी। यह समय भारत के इतिहास में स्वतंत्रता आंदोलन का था। गांधी जी ने अंग्रेजी सरकार }kj{k चलाए जा रहे शिक्षा संस्थानों का यह कह कर विरोध किया था कि ये राष्ट्रहित के विरोध में काम करते हैं। ख़िलाफ़त तथा असहयोग आंदोलन इसी उद्देश्य के तहत आरंभ किए गए थे। जिन महान लोगों ने गांधी जी की इस आवाज़ पर इन आंदोलनों में भाग लिया उनमें शैख़ुलहिन्द मौलाना महमूद हसन, मौलाना मोहम्मद अली, हकीम अजमल ख़ां, डॉ. मुख़्तार अहमद अंसारी, अब्दुल मजीद ख़्वाजा तथा डॉ. ज़ाकिर हुसैन प्रमुख थे। इन लोगों ने न केवल जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना की, बल्कि इस चमन को अपने ख़ून-पसीने से सींच कर आबाद भी किया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया 1925 में अलीगढ़ से दिल्ली स्थानांतरित हो गई। तब से लेकर आज तक जामिया दिन दूनी रात चौगुनी तरक़्क़ी कर रही है तथा समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम रही है। अपने संस्थापकों के सपनों को साकार करते हुए जामिया अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रयासरत है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापकों का सदैव इस बात पर बल रहा है कि शिक्षा की पारम्परिक जड़ों को मज़बूत किया जाए। जामिया ने इस का हमेशा प्रयास किया है कि छात्रों में देश के इतिहास, उसकी संस्कृति तथा इस्लाम के इतिहास की बेहतर समझ पैदा हो। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर जामिया में इस्लाम की शिक्षा के साथ-साथ हिन्दू धर्मशास्त्र तथा भारतीय धर्म

और संस्कृति जैसे विषयों की शिक्षा का प्रावधान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग करते हुए जामिया के संस्थापकों ने यहाँ के शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रम सम्बंधी गतिविधियों में राष्ट्रीय तथा सार्वभौमिक आयाम जोड़े। इस बात का सदैव ध्यान रखा गया कि जामिया के छात्रों को मूल्य-आधारित शिक्षा दी जाए और उन्हें बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। जामिया के छात्र व्यक्तिगत रुचि के पाठ्यक्रमों को पढ़ते हुए भी सामाजिक उत्तरदायित्व के बोध से वंचित न हों। दूसरे विश्वविद्यालयों की तरह जामिया ने भी तकनीकी शिक्षा, बी.डी.एस, फिजियोथेरेपी इंजीनियरिंग, कॉमर्स, फ़ाइन vkV~l, जनसंचार, सूचना तकनीक तथा विस्तार शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। यहाँ एकेडमिक स्टाफ कॉलेज तथा थर्ड वर्ल्ड स्टडीज़ एवं अध्ययन के विभिन्न केन्द्रों की भी स्थापना की गई है।

जामिया में शिक्षा का माध्यम मुख्य रूप से उर्दू, हिन्दी तथा अंग्रेज़ी है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य उच्च ज्ञान के स्रोत को ज्ञान के दूसरे क्षेत्रों के साथ जोड़ना है। विश्वविद्यालय अपने छात्रों तथा शिक्षकों को शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने की सदैव कोशिश करता है। कुछ प्रमुख बातें इस प्रकार हैं:

(क) शिक्षा में नवीनता लाने के उद्देश्य से समय-समय पर पाठ्यक्रमों में फेरबदल। पढ़ाने के नये-नये तरीक़े तथा व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल।
(ख) विभिन्न अनुशासनों में शिक्षा।
(ग) अन्तर-अनुशासनात्मक अध्ययन।
(घ) राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता तथा अंतर्राष्ट्रीय समझ।

हिन्दी विभाग : संक्षिप्त परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में हिन्दी का पठन-पाठन विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही आरंभ हो गया था। जामिया के संस्थापकों ने हिन्दी भाषा के शिक्षण को यथोचित महत्व दिया। एक लंबे समय तक यहाँ स्नातक स्तर पर ही हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अध्ययन-अध्यापन होता रहा। केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनने से कुछ वर्ष पूर्व 1983 में यहाँ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। एम. ए. के पाठ्यक्रम में शुरू से ही जनसंचार तथा रचनात्मक लेखन को महत्व दिया गया और रचनात्मक लेखन एवं पत्रकारिता को वैकल्पिक प्रश्न पत्र के रूप में पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया। देश के किसी भी विश्वविद्यालय में इस प्रकार का यह पहला पाठ्यक्रम था। सन् 1994 में विभाग में जनसंचारपरक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आरंभ किया गया। इसकी सफलता को देखते हुए सन् 2001 में हिन्दी विभाग में टी. वी. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया गया। सम्प्रति हिन्दी विभाग में इन दोनों डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अलावा बी. ए. ऑनर्स मास मीडिया (हिन्दी), एम. ए. और एम. फिल् का अध्ययनअध्यापन हो रहा है। सन् 1985 से निरंतर यहाँ शोध-कार्य (पीएच. डी.) भी हो रहा है। विभाग साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन सम्बंधी शोध कार्यों को प्रोत्साहन देता है। हिन्दी विभाग में जामिया का एक अनिवार्य पाठ्यक्रम 'हिन्दू धर्म शास्त्र' भी पढ़ाने की व्यवस्था है।

विभाग के अनेक सदस्य महत्वपूर्ण पुरस्कारों से सम्मानित किए गए हैं तथा विदेशों में भी हिन्दी अध्यापन का कार्य कर चुके हैं।

विभागीय सदस्य

1. प्रो. दुर्गाप्रसाद गुप्त (अध्यक्ष), एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
2. प्रो. महेन्द्रपाल शर्मा, एम.ए., एम.फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
3. प्रो. हेमलता महिश्वर, एम.ए., बी. एड., एम.फिल्., पीएच. डी. (गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर)
4. डॉ. कृष्ण कुमार कौशिक, एम.ए., एम.फिल्., पीएच. डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
5. डॉ. अनिल कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
6. डॉ. इन्दु वीरेन्द्रा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी.(जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
7. डॉ. चन्द्रदेव सिंह यादव, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
8. डॉ. नीरज कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी.(दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
9. डॉ. कहकशां एहसान साद, एम.ए., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
10. डॉ. विवेक दुबे, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
11. डॉ. दिलीप कुमार शाक्य, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी.(जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली)

12. डॉ. अब्दुर्रहमान मुसव्विर एम. ए., एम. एड., पी.जी. डिप्लोमा मास मीडिया, एम. फिल्., पीएच. डी., (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
13. डॉ. मुकेश कुमार मिरोठा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
14. डॉ. अजय कुमार नावरिया, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

एम. ए. हिन्दी वार्षिक पाठ्यक्रम

अनुक्रम		पृष्ठ संख्या
प्रथम वर्ष		
पाठ्यक्रम 1	काव्यशास्त्र एवं साहित्य दृष्टि	13
पाठ्यक्रम 2	हिन्दी साहित्य का इतिहास	15
पाठ्यक्रम 3	मध्यकालीन काव्य	18
पाठ्यक्रम 4	नवजागरण एवं छायावाद	21
पाठ्यक्रम 5	वैकल्पिक प्रश्न पत्र	25
	(क) जायसी	25
	(ख) निराला	27
	(ग) फणीश्वरनाथ रेणु	29
द्वितीय वर्ष		
पाठ्यक्रम 6	नाटक और निबंध	33
पाठ्यक्रम 7	छायावादोत्तर काव्य	36
पाठ्यक्रम 8	कथा साहित्य	39
पाठ्यक्रम 9	हिन्दी गद्यः विविध रंग	42
पाठ्यक्रम 10	वैकल्पिक प्रश्न पत्र	44
	(क) लोक साहित्य	44
	(ख) उर्दू साहित्य	46
	(ग) हिन्दी पत्रकारिता	49
पाठ्यक्रम 11	मौखिकी	51

एम.ए. हिन्दी
पूर्वार्द्ध

पाठ्यक्रम-1 काव्यशास्त्र एवं साहित्य-दृष्टि पूर्णांकः 100

इकाई-1 **संस्कृत काव्यशास्त्र**

काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन
काव्य की आत्मा
रस-निष्पत्ति एवं साधरणीकरण
अलंकार सिद्धांत
ध्वनि सिद्धांत

इकाई-2 **पाश्चात्य साहित्य-चिंतन की भाववादी धारणाएं**

प्लेटो का काव्य-सिद्धांत
अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत
लौंजाइनस का उदात्त
क्रोचे का अभिव्यंजनावाद
कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत

इकाई-3 **पाश्चात्य साहित्य : वस्तुवादी धारणाएं तथा अन्य चिंतनधाराएं**

मार्क्सवादी चिंतन
मनोविश्लेषणवाद
अस्तित्ववाद
नई समीक्षा
संरचनावाद एवं उत्तर-संरचनावाद
आधुनिकता एवं उत्तर-आधुनिकता

इकाई-4 **हिन्दी साहित्यालोचन**

रीतिकालीन लक्षण ग्रंथ

प्रारंभिक एवं शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना

प्रगतिशील हिन्दी आलोचना

समकालीन हिन्दी आलोचना

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न 4x25=100

अनुमोदित ग्रंथ

1.	भारतीय काव्यशास्त्र	सत्यदेव चौधरी
2.	काव्यशास्त्र की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
3.	नयी समीक्षा के प्रतिमान	निर्मला जैन
4.	पाश्चात्य साहित्य चिंतन	निर्मला जैन,कुसुमबांठिया
5.	साहित्य सिद्धांत	रेनेवेलेक, ऑस्टिन वारेन
6.	रस-सिद्धांत का पुनर्विवेचन	डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
7.	ekDl loknh साहित्य चिंतन	शिवकुमार मिश्र
8.	साहित्यालोचन	बाबू श्यामसुंदर दास
9.	इतिहास और आलोचना	नामवर सिंह
10.	मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	शिवकुमार मिश्र
11.	हिन्दी आलोचना: बीसवीं सदी	निर्मला जैन
12.	हिन्दी आलोचना के बीज शब्द	बच्चन सिंह
13.	हिन्दी आलोचना	विश्वनाथ त्रिपाठी
14.	हिन्दी आलोचनाः बीसवीं शताब्दी	नंदकिशोर नवल
15.	भारतीय साहित्यशास्त्र	बलदेव उपाध्याय

पाठ्यक्रम-2 हिन्दी साहित्य का इतिहास पूर्णांकः 100

इकाई-1 **साहित्येतिहास लेखन की परम्परा**

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और हिन्दी साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं

हिन्दी साहित्य का इतिहासः काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण

हिन्दी साहित्यः आदिकाल की पृष्ठभूमि सिद्ध और नाथ-साहित्य, रासो-काव्य, जैन-साहित्य, लौकिक साहित्य

इकाई-2 **पूर्व मध्यकाल**

भक्तिकाव्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति-आंदोलन

विभिन्न काव्यधाराएं तथा उनका वैशिष्ट्य

इकाई-3 **उत्तर मध्यकाल**

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमी, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा

रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त)

इकाई-4 **आधुनिक काल**

आधुनिक काल की राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि हिन्दी नवजागरण
भारतेन्दु युग: प्रमुख प्रवृत्तियां
स्वच्छंदतावाद, छायावादी काव्य : छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियां
छायावादोत्तर काव्य : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता
हिन्दी गद्य का विकास (निबंध, नाटक, कहानी, उपन्यास, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, डायरी)

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न 4x25=100

अनुमोदित ग्रंथ

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचन्द्र शुक्ल
2	हिन्दी साहित्य की भूमिका	हजारीप्रसाद f}onh
3	हिन्दी साहित्य का आदिकाल	हजारीप्रसाद f}onh
4	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपतिचन्द्र गुप्त
5	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
6	हिन्दी साहित्य और सम्वेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
7	हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. नगेन्द्र
8	हिन्दी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह

10	हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास	विश्वनाथ त्रिपाठी
11	हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	अवधेश प्रधान
12	साहित्य का इतिहास दर्शन	नलिन विलोचन शर्मा
13	साहित्य और इतिहास दृष्टि	मैनेजर पाण्डेय
14	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि	महेन्द्रपाल शर्मा

पाठ्यक्रम-3 मध्यकालीन काव्य पूर्णांकः 100

इकाई-1 **साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि**

आदिकालीन काव्य

भक्ति आन्दोलन

भक्ति काव्य की विभिन्न धाराएं

दरबारी संस्कृति एवं रीतिकाव्य

इकाई-2 **संत एवं सूफ़ी काव्य**

कबीर :

सतगुरु महिमा-1, प्रेम-5, 8, 9, साधु महिमा-27, 29 करुना बीनती-36, उपदेश चितावनी-84, काल-99 भगति संजीवनी-106, 145 निरंजन राम-153, माया-162 भेख आडंबर-175 भरम बिधूसन-179

साखियां-42

सतगुर महिमा कौ अंग-2, 14, 16 प्रेम बिरह कौ अंग-1,4,5,7,9,10,16 सुमिरन भजन महिमा कौ अंग-7,9,12

साधु महिमा कौ अंग-6,23,24 पिउ पहिचानिबे कौ अंग-1,2,3 परचा कौ अंग-1,6,9 उपदेस चितावनी कौ अंग-5,7,23

संगति कौ अंग-4,5,10,15,16 भेख आडंबर कौ अंग-4,5,17 विचार कौ अंग-2,5,6 मन कौ अंग- 1,9,13 माया कौ अंग-13,15,22

(कबीर ग्रंथावलीः सं. डॉ. पारसनाथ तिवारी)

जायसी : (जायसी ग्रंथावली, सं. रामचन्द्र शुक्ल)
नागमती वियोग खंड तथा मानसरोदक खंड

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-3 **राम भक्ति एवं कृष्ण भक्ति काव्य**

तुलसीदास: उत्तरकांड (रामचरित मानस)
छंद संख्या- 33 से 82 तक

सूरदास : भ्रमरगीत सार (सं. रामचन्द्र शुक्ल)
पद संख्या 21 से 70 तक

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-4 **रीति काव्य**

बिहारी : बिहारी रत्नाकर (सं. जगन्नाथदास रत्नाकर)
दोहे- 1, 5, 13, 18, 20, 32, 41, 52, 60, 70, 94, 102, 104, 121, 140, 151, 159, 171, 178, 181, 191, 203, 207, 225, 235, 251, 259, 264, 280, 303, 327, 340, 347, 357, 363, 371, 381, 388, 393, 397, 411, 419, 425, 428, 434, 472, 489, 505, 526, 568.

घनानंद : घनानंद (सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)
छंद संख्याः 1, 6, 13, 15, 27, 34, 43, 60, 68, 70, 82, 84, 93, 97, 128, 135, 146, 159, 163, 169, 189, 196, 206, 267, 274

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3x20=60 अंक
चार व्यावहारिक समीक्षाएं	4x10=40 अंक

अनुमोदित ग्रंथ:

1. कबीर	हजारीप्रसाद f}onh
2. जायसी	विजयदेव नारायण साही
3. जायसी	सं. सदानंद साही
4. गोस्वामी तुलसीदास	रामचन्द्र शुक्ल
5. लोकवादी तुलसीदास	विश्वनाथ त्रिपाठी
6. सूर साहित्य	हजारीप्रसाद f}onh
7. सूरदास	मैनेजर पाण्डेय
8. बिहारी प्रकाश	विश्वनाथप्रसाद मिश्र
9. घनानंद कवित्त	सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति	श्यामसुंदर शुक्ल
11. महाकवि सूरदास	नंददुलारे वाजपेयी
12. गोसाईं तुलसीदास	विश्वनाथप्रसाद मिश्र
13. भक्ति काव्य और लोकजीवन	शिवकुमार मिश्र
14. अकथ कहानी प्रेम की	पुरुषोत्तम अग्रवाल
15. हिन्दी सूफी काव्य का समस्त अनुशीलन	शिव सहाय पाठक
16. मध्यकालीन कविता में सांस्कृतिक समन्वय	अब्दुल बिस्मिल्लाह

पाठ्यक्रम-4 नवजागरण एवं छायावाद पूर्णांकः 100

इकाई-1 **नवजागरण का स्वरूप**

नवजागरण की अवधारणा

पाश्चात्य नवजागरण

भारतीय नवजागरण

हिन्दी नवजागरण और हिन्दी साहित्य

छायावाद : काव्य-संरचना

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-2 **भारतेन्दु एवं f}onh युगीन काव्य**

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान

नये जमाने की मुकरी

विजयिनी-विजय पताका या वैजयंती

भारत-वीरत्व

रोवहु सब मिलिकै आवहु भारत भाई (भारत दुर्दशा से)

मैथिलीशरण गुप्त

साकेत (नवम सर्ग)

इकाई-3 **छायावादी काव्य - I**

जयशंकर प्रसाद

चिन्ता सर्ग (कामायनी)
आंसू
इस करुणा कलित हृदय में
ये सब स्फुलिंग है मेरी
जो घनीभूत पीड़ा थी
रो रो कर सिसक सिसक कर
शशि मुख पर घूंघट डाले
बांधा था विधु को किसने
मुख कमल समीप सजे थे
प्रत्यावर्तन के पथ पर
मानव जीवन वेदी पर
सबका निचोड़ लेकर तुम

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

सरोज स्मृति
जूही की कली
तोड़ती पत्थर
बांधो न नाव इस ठांव बंधु

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-4 **छायावादी काव्य - II**

सुमित्रानंदन पंत

मौन निमंत्रण

परिवर्तन

नौका विहार

ताज

महादेवी वर्मा

इस एक बूंद आंसू में

इन आंखों ने देखी न राह कहीं

मैं नीर भरी दुख की बदली

कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो

पंथ होने दो अपरिचित

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3x20=60 अंक
चार व्यावहारिक समीक्षाएं	4x10=40 अंक

अनुमोदित ग्रंथ:

1.	हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	नंददुलारे वाजपेयी
2.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	रामविलास शर्मा
3.	महावीर प्रसाद f}onl और हिन्दी नवजागरण	रामविलास शर्मा
4.	मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंतःसूत्र	कृष्णदत्त पालीवाल
5.	कामायनी : एक पुनर्मूल्यांकन	रामस्वरूप चतुर्वेदी
6.	कामायनी : एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध
7.	पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त	रामधारी सिंह दिनकर
8.	साकेत : एक अध्ययन	डॉ. नगेन्द्र
9.	छायावाद	नामवर सिंह
10.	निराला की साहित्य साधना	रामविलास शर्मा
11.	सुमित्रानंदन पंत	डॉ. नगेन्द्र
12.	कवि सुमित्रानंदन पंत	नंददुलारे वाजपेयी
13.	महादेवी वर्मा	इन्द्रनाथ मदान
14.	महादेवी की रचना प्रक्रिया	कृष्णदत्त पालीवाल
15.	महादेवी	दूधनाथ सिंह

पाठ्यक्रम-5 (क) जायसी पूर्णांक : 100

इकाई-1 **भारत में सूफ़ीमत का विकास**

मध्यकालीन भक्ति साधना और सूफ़ीमत

सूफ़ीमत की परम्परा

फ़ारसी और हिन्दी सूफ़ी काव्य

रहस्यवाद

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-2 **सूफ़ी प्रेमाख्यान की परंपरा और जायसी का काव्य**

जायसी की कविता में लोकतत्व

सूफ़ीमत और जायसी की कविता

काव्य-रूप और काव्य-भाषा

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-3 **निर्धारित पाठ : पद्मावत**

1. प्रेम खंड
2. सिंहलदीप खंड
3. नागमती वियोग खंड
4. पदमावती-नागमती-सती खंड

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-4 **निर्धारित पाठ : अखरावट और आखिरी कलाम**

अखरावट : 1-15

आखिरी कलाम : 14-28

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3x20=60 अंक
चार व्यावहारिक समीक्षाएं	4x10=40 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1. जायसी	विजयदेव नारायण साही
2. जायसी	सं. सदानंद साही
3. जयासी ग्रंथावली(भूमिका)	रामचन्द्र शुक्ल
4. हिन्दी सूफी काव्य का समस्त अनुशीलन	शिव सहाय पाठक
5. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य	शिव सहाय पाठक
6. सूफी मत साधना और साहित्य	रामपूजन तिवारी
7. हिन्दी के सूफी प्रेमाख्यान	चन्द्रबली पाण्डेय
8. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान	श्याम मनोहर पाण्डेय
9. मध्ययुगीन रोमांचक आख्यान	नित्यानंद तिवारी

पाठ्यक्रम-5 (ख) **निराला** **पूर्णांकः 100**

इकाई-1 **निराला का युगीन परिदृश्य**

नवजागरण, स्वाधीनता आंदोलन और निराला

छायावादी काव्य संस्कार और निराला

निराला की प्रगतिशीलता और नया मानवतावाद

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-2 **सामंतवाद और उपनिवेशवाद**

निराला का आत्मसंघर्ष और काव्य चेतना

गीत, प्रगीत और मुक्त छंद

निराला की भाषा

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-3 **निर्धारित पाठ**

कविताएं

तुलसीदास, प्रेयसी

जागो फिर एक बार (दोनों भाग)

जल्द जल्द पैर बढ़ाओ

बांधो न नाव इस ठांव बंधु

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-4 कथा साहित्य

उपन्यास

अलका कुल्ली भाट

कहानियाँ

देवी अर्थ

निबंध

मेरे गीत और कला बाहरी स्वाधीनता और स्त्रियां

(आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3x20=60 अंक
चार व्यावहारिक समीक्षाएं	4x10=40 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1. निराला की साहित्य साधना(तीनों भाग)	रामविलास शर्मा
2. निराला : एक पुनर्मूल्यांकन	धनंजय वर्मा
3. निराला : एक आत्महंता आस्था	दूधनाथ सिंह
4. क्रांतिकारी कवि निराला	बच्चन सिंह
5. निराला	रामविलास शर्मा
6. साहित्य स्रष्टा निराला	राजकुमार सैनी
7. निराला की जातीय चेतना	नीरज कुमार

पाठ्यक्रम-5 (ग) **फणीश्वरनाथ रेणु** **पूर्णांक : 100**

इकाई-1 **स्वातंत्र्योत्तर भारत का परिवर्तनशील ग्राम-समाज**

रेणु की आंचलिकता

रेणु की विचारधारा

रेणु और यथार्थवाद

इकाई-2 **रेणु का कथा शिल्प**

रेणु की पात्र परिकल्पना

रेणु की कथा-संरचना

रेणु की कथा-भाषा

इकाई- 3 **निर्धारित पाठ**

उपन्यास

मैला आंचल

परती परिकथा

इकाई-4 **कहानियाँ**

ठेस, लालपान की बेगम, रसप्रिया, तीसरी कसम, पंचलैट

रिपोर्ताज

ऋणजल-धनजल

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न 4x25=100 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1. रेणु संचयन	सुवास कुमार
2. मैला आंचल की रचना प्रक्रिया	देवेश ठाकुर
3. फणीश्वरनाथ रेणु	सुरेन्द्र चौधरी
4. आंचलिकता, यथार्थवाद और फणीश्वरनाथ रेणु	सुवास कुमार
5. फणीश्वरनाथ रेणु अर्थात मृदंगिए का मर्म	सं. भारत यायावर
6. हिन्दी के आंचलिक उपन्यासों में जीवन सत्य	इन्दु प्रकाश पाण्डेय
7. रेणु से भेंट	सं. भारत यायावर

एम. ए. हिन्दी
mÙkjk)

पाठ्यक्रम-6 **नाटक और निबंध** **पूर्णांक : 100**

इकाई-1 **हिन्दी नाटक एवं निबंध का विकास**

हिन्दी नाटक का विकास

हिन्दी रंगमंच का विकास

हिन्दी निबंध का विकास

हिन्दी निबंध के विविध रूप

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-2 **स्वतंत्रतापूर्व नाटक**

अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

चंद्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्क प्रश्न)

इकाई-3 **स्वातंत्र्योत्तर नाटक**

आधे अधूरे - मोहन राकेश

अंधा युग - धर्मवीर भारती

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-4 **निबंध**

ईश्वर भी क्या ही ठठोल है	बालकृष्ण भट्ट
आचरण की सभ्यता	सरदार पूर्ण सिंह
कविता क्या है	रामचंद्र शुक्ल
कुटज	हजारीप्रसाद f}onh

मेरी स्वाधीनता : सबकी स्वाधीनता अज्ञेय

छितवन की छांव विद्यानिवास मिश्र

तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य- रामविलास शर्मा

निषाद बांसुरी कुबेरनाथ राय

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3x20=60 अंक
चार व्यावहारिक समीक्षाएं	4x10=40 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1. नाटक और रंगमंच	सं. गिरीश रस्तोगी
2. रंग दर्शन	नेमिचंद जैन
3. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास	दशरथ ओझा
4. हिन्दी नाटक	बच्चन सिंह
5. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना	सत्येन्द्र तनेजा
6. प्रसाद का नाट्य-कर्म	सत्येन्द्र तनेजा
7. आज के रंग नाटक	सं. सुरेश अवस्थी
8. रंगभाषा	नेमिचंद्र जैन
9. साहित्य सहचर	हजारीप्रसाद f}onh
10. हिन्दी गद्य का विकास और प्रमुख शैलीकार	गुलाब राय

11. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	नंददुलारे बाजपेयी
12. आधुनिक साहित्य	नंददुलारे बाजपेयी
13. नया साहित्य : नए प्रश्न	नंददुलारे बाजपेयी
14. निबंध निलय	सत्येंद्र
15. प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार	हरिमोहन

पाठ्यक्रम-7 छायावादोत्तर काव्य पूर्णांकः 100

इकाई-1 **युगीन परिदृश्य**

राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना का काव्य, गीत और नवगीत, प्रगतिशील आंदोलन, प्रयोगवादी काव्य, नयी कविता

अकविता, समकालीन कविता

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-2 **राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा**

रामधारी सिंह 'दिनकर'

कुरुक्षेत्र (छठा सर्ग)

माखनलाल चतुर्वेदी

पुष्प की अभिलाषा, कैदी और कोकिला, पत्थर के फ़र्श कगारों में, जवानी

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-3 **प्रयोगवाद एवं नयी कविता**

अज्ञेय (**सदानीरा** से)

कतकी पूनो, पहला दौंगरा, यह दीप अकेला, सम्राज्ञी का नैवेद्य दान, नदी के }ii,

कितनी नावों में कितनी बार, कलंगी बाजरे की

मुक्तिबोध (‘चांद का मुंह टेढ़ा है’ संग्रह से**)**
भूल-ग़लती, लकड़ी का रावण, ब्रह्मराक्षस, मुझे पुकारती हुई पुकार, चकमक की चिनगारियां
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-4 **प्रगतिशील एवं समकालीन कविता**

नागार्जुन (**‘नागार्जुन की प्रतिनिधि कविताएं’** से)
बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान, सिंदूर तिलकित भाल, यह तुम थीं, अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, खुरदुरे पैर

रघुवीर सहाय (**रघुवीर सहाय रचनावली भाग-1** से)
धूप, रामदास, दे दिया जाता हूं, अधिनायक, नेता क्षमा करें, दो अर्थ का भय, सड़क पर रपट

धूमिल (**‘संसद से सड़क तक’** से)
पटकथा
मोचीराम
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3x20=60 अंक
चार व्यावहारिक समीक्षाएं	4x10=40 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1.	कविता के नये प्रतिमान	नामवर सिंह
2.	नई कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध	मुक्तिबोध
3.	समकालीन कविता का व्याकरण	परमानन्द श्रीवास्तव
4.	कविता का जनपद	अशोक वाजपेयी
5.	आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	नामवर सिंह
6.	नई कविता और अस्तित्त्ववाद	रामविलास शर्मा
7.	प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य	रेखा अवस्थी
8.	कविता की संगत	विजय कुमार
9.	कविता का अर्थात्	परमानन्द श्रीवास्तव
10.	शमशेर का काव्यलोक	जगदीश कुमार
11.	अज्ञेय की काव्य तितिर्षा	नन्दकिशोर आचार्य
12.	मुक्तिबोध की कविताई	अशोक चक्रधर
13.	मुक्तिबोध: ज्ञान और संवेदना	नन्दकिशोर आचार्य
14.	नई कविता के अंक	सं. जगदीश गुप्त
15.	नागार्जुन का रचना संसार	विजय बहादुर सिंह
16.	फिलहाल	अशोक वाजपेयी

पाठ्यक्रम-8 **कथा साहित्य** **पूर्णांक: 100**

इकाई-1 **हिन्दी उपन्यास एवं कहानी का विकास**

स्वतन्त्रतापूर्व हिन्दी कथा साहित्य

आधुनिक यथार्थबोध की पृष्ठभूमि

विभिन्न धाराएं (भाववादी, यथार्थवादी, मनोविश्लेषणवादी)

स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कथा साहित्य

साठोत्तरी उपन्यास, आंचलिक उपन्यास, समकालीन उपन्यास

नई कहानी, साठोत्तरी कहानी, समकालीन कहानी

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-2 **स्वतंत्रतापूर्व उपन्यास**

गोदान - प्रेमचंद

त्यागपत्र - जैनेन्द्र

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-3 **स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास**

मैला आंचल - फणीश्वरनाथ रेणु

मित्रो मरजानी - कृष्णा सोबती

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-4 **कहानी**

उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
कफ़न	प्रेमचंद
पुरस्कार	जयशंकर प्रसाद
पाज़ेब	जैनेन्द्र
परदा	यशपाल
परिन्दे	निर्मल वर्मा
चीफ़ की दावत	भीष्म साहनी
डिप्टी कलक्टरी	अमरकांत
खोई हुई दिशाएं	कमलेश्वर
दोज़खी	शानी

(आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न 4x25=100 अंक

(दो प्रश्न उपन्यासों से तथा दो प्रश्न कहानियों से)

अनुमोदित ग्रंथ

1.	कहानी नयी कहानी	नामवर सिंह
2.	नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति	देवीशंकर अवस्थी
3.	कुछ कहानियाँ : कुछ विचार	विश्वनाथ त्रिपाठी
4.	कहानीः समकालीन चुनौतियाँ	शम्भू गुप्त
5.	हिन्दी कहानी : स्मिता की तलाश	मधुरेश
6.	समकालीन कहानी का रचना विधान	गंगाप्रसाद विमल

7.	हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान	रामदरश मिश्र
8.	उपन्यास का उदय	आयन वॉट
9.	हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा	रामदरश मिश्र
10.	हिन्दी उपन्यास : पहचान एवं परख	इन्द्रनाथ मदान
11.	उपन्यास और लोकजीवन	राल्फ फॉक्स
12.	उपन्यास का सिद्धांत	जॉर्ज लुकाच
13.	उपन्यास के पक्ष	ई. एम. फॉस्टर
14.	उपन्यास का पुनर्जन्म	परमानंद श्रीवास्तव
15.	हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति	चन्द्रकांत वांदिवडेकर

पाठ्यक्रम-9 **हिन्दी गद्य: विविध रंग** **पूर्णांक: 100**

इकाई-1 **खड़ी बोली गद्य**

नवजागरणकालीन परिस्थितियां

आधुनिक गद्य विधाओं का विकास

साहित्येतर गद्य

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-2 **प्रमुख कथेतर गद्य विधाएं**

ललित निबंध	आत्मकथा
जीवनी	रेखाचित्र
संस्मरण	यात्रावृत्त
रिपोर्ताज	पत्र साहित्य
डायरी	व्यंग्य

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-3 **निर्धारित पाठ-I**

लोभ और प्रीति (विचारात्मक निबंध)	रामचंद्र शुक्ल
अशोक के फूल (ललित निबंध)	हजारीप्रसाद f}onh
अपनी ख़बर (आत्मकथा)	पांडेय बेचन शर्मा उग्र
आवारा मसीहा प्रथम पर्व (जीवनी)	विष्णु प्रभाकर
चीड़ों पर चांदनी (यात्रा वृत्तांत)	निर्मल वर्मा

(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-4 **निर्धारित पाठ - II**

घर का जोगी जोगड़ा (संस्मरण)	काशीनाथ सिंह
भक्तिन (रेखाचित्र)	महादेवी वर्मा
आग्नेश्का सोनी के नाम पत्र (पांच पत्र)	मुक्तिबोध
वैष्णव की फिसलन (व्यंग्य)	हरिशंकर परसाई
ऋणजल धनजल (रिपोर्ताज)	फणीश्वरनाथ रेणु

(आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न 4x25=100 अंक

अनुमोदित ग्रंथ:

1.	निबंध निलय	सत्येन्द्र
2.	विधाओं की प्रकृति	देवीशंकर अवस्थी
3.	देश के इस दौर में	विश्वनाथ त्रिपाठी
4.	आत्मकथा की संस्कृति	पंकज चतुर्वेदी
5.	हिन्दी साहित्यकोश(भाग-2)	सं. धीरेन्द्र वर्मा
6.	गद्य विविधा	सं. जवरीमल्ल पारख
7.	सृजनशीलता एवं व्यक्तित्व	बीना श्रीवास्तव
8.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचंद्र शुक्ल
9.	साहित्य सहचर	हजारीप्रसाद f}onh
10.	आधुनिक हिन्दी साहित्य	लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
11.	हिन्दी का गद्य साहित्य	रामचंद्र तिवारी
12.	आधुनिक साहित्य	नंददुलारे वाजपेयी
13.	हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास	विजयेन्द्र स्नातक
14.	साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ	कैलाशचंद भाटिया

पाठ्यक्रम-10 (क) **लोक साहित्य** **पूर्णांक: 100**

इकाई-1 **लोक साहित्य : अवधारणाएं**

लोक, लोक-वार्ता, लोक-संस्कृति और लोक-साहित्य
लोक साहित्य : संस्कृत वाड्.मय में लोकोन्मुखता
हिन्दी के आरंभिक साहित्य में लोकतत्व
वर्तमान साहित्य और लोक-साहित्य का अंतः संबंध
लोक-साहित्य में सामाजिक संघर्ष
(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-2 **लोक साहित्य की समस्याएं**

लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया
लोक साहित्य के संकलन की समस्याएं
लोक साहित्य के प्रमुख संकलन
(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-3 **लोक साहित्य का वर्गीकरण**

लोक-गीत: संस्कार गीत, व्रत गीत, श्रम गीत, ऋतु गीत, जाति गीत

लोक-नाट्य: रामलीला, रासलीला, कीर्तनियां, स्वांग, संगीत, संपेड़ा, बिदेसिया, नाच, पंडवानी, भांड, तमाशा, नौटंकी

हिन्दी लोक नाट्य की परंपरा
हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक-नाट्यों का प्रभाव
लोकवाद्य तथा लोक संगीत
(आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-4 **लोक-कथा एवं लोक-गाथा**

लोक-कथा : व्रतकथा, परीकथा, नागकथा, बोधकथा, कथानक रूढ़ियां

लोक-गाथा : ढोला-मारू, लोरिकायन, हीर रांझा, आल्हा

(आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न 4x25=100 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1. लोक साहित्य की भूमिका	कृष्णदेव उपाध्याय
2. लोक संस्कृति की रूपरेखा	कृष्णदेव उपाध्याय
3. लोक साहित्य का अध्ययन	त्रिलोचन पाण्डेय
4. कविता कौमुदी	रामनरेश त्रिपाठी
5. आदि हिन्दी के गीत और कहानियां	राहुल सांकृत्यायन
6. लोक साहित्य और लोक स्वर	विद्यानिवास मिश्र
7. लोक साहित्य	श्याम परमार
8. लोक साहित्य की भूमिका	प्रो. रवीन्द्र भ्रमर
9. लोक संस्कृति और राष्ट्रवाद	बद्रीनारायण

पत्रिकाएँ

1. मंड़ई - सं. कालीचरण यादव, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
2. लोक - पीयूष दइया

पाठ्यक्रम-10 (ख) उर्दू साहित्य पूर्णांक: 100

इकाई-1 **उर्दू भाषा का विकास**

खड़ी बोली का विकास-क्रम और उर्दू

उर्दू साहित्य का प्रारंभिक स्वरूप : दकनी एवं उत्तरी

उर्दू गद्य का विकास

देहली कॉलेज और फोर्ट विलियम कॉलेज की भूमिका

उर्दू हिन्दी का पारस्परिक संबंध

इकाई-2 **उर्दू साहित्य : एक परिचय**

उर्दू के विविध काव्य रूप : ग़ज़ल, कसीदा, मसनवी, मरसिया, रूबाई एवं नज़्म

बीसवीं शताब्दी की उर्दू कविता

उर्दू गद्य की विविध विधाएं : कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध एवं समकालीन उर्दू आलोचना

उर्दू के साहित्यिक आंदोलन

तरक्कीपसंद तहरीक

स्वातंत्र्योत्तर उर्दू साहित्य

इकाई-3 **कविता**

मीर तक़ी मीर (ग़ज़लें)

हस्ती अपनी हबाब की सी है

उलटी हो गयीं सब तदबीरें

पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने है

कल जो देखा गुलोसमन देखा

नजीर अकबराबादी

बंजारानामा

आदमीनामा

मिर्ज़ा असद-उल्लाह खां ग़ालिब (ग़ज़लें)

इब्ने मरियम हुआ करे कोई

कोई उम्मीद बर नहीं आती

न था कुछ तो खुदा था

दिल ही तो है ना संगो-ख़िश्त

फिराक़ गोरखपुरी (रुबाइयां)

हर जलवे से एक दर्से-नुमू लेता हूं

किस दरजा सुकूंनुमा हैं अबरू के हिलाल

उफदी-उफदी गगन प' छायी है घटा

आंसू से भरे-भरे वो नयना रस के

चेहरे प' हवाइयां निगाहों में हिरास

लहरों में खिला कंवल नहाये जैसे

फैज़ अहमद फैज़ (नज़्में)

बोल	तन्हाई
हम जो तारीक राहों में	दुआ

इक़बाल (नज़्में)

नया शिवाला	राम
तराना-ए-हिन्द	बहारे-हुस्न

अकबर इलाहाबादी

मुस्तकबिल

जलवा-ए-दरबारे-देहली

इकाई-4 **गद्य**

मिर्ज़ा हादी रुसवा	-	उमराव जान अदा
इंतज़ार हुसैन	-	बस्ती

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	3x20=60 अंक
चार व्यावहारिक समीक्षाएं	4x10=40 अंक

अनुमोदित ग्रंथः

1. उर्दू साहित्य का इतिहास	एजाज हुसैन
2. उर्दू साहित्य का इतिहास	ब्रजरत्न दास
3. उर्दू भाषा और साहित्य	फ़िराक़ गोरखपुरी
4. उर्दू कविता	फ़िराक़ गोरखपुरी
5. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	एहतेशाम हुसैन
6. उर्दू काव्य की जीवन्धारा	मु. हुसैन आज़ाद
7. उर्दू समालोचना पर एक दृष्टि	कलीमुद्दीन अहमद
8. यादगारे ग़ालिब	अल्ताफ़ हुसैन हाली
9. बाग़ो बहार	मीर अम्मन (अनु. अब्दुल बिस्मिल्लाह)
10. उर्दू प्रेस और ब्रिटिश शासन	अब्दुल मुजीब खां
11. उर्दू-हिन्दी की प्रगतिशील कविता	असग़र वजाहत
12. उर्दू साहित्य कोश	कमल नसीम
13. उर्दू आलोचना	पूर्णमासी राय
14. जिक्रे-मीर	अनु. अजमल अजमली

पाठ्यक्रम-10 (ग) **हिन्दी पत्रकारिता** **पूर्णांक: 100**

इकाई-1 **हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास और स्वरूप**

हिन्दी पत्रकारिता का उदय
नवजागरण युगीन हिन्दी पत्रकारिता
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता
समकालीन हिन्दी पत्रकारिता
हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूपगत अध्ययन: आंतरिक पक्ष एवं बाह्य पक्ष
प्रेस क़ानून एवं आचार संहिता

इकाई-2 **समाचार संकलन**

समाचार के स्रोत
समाचार संकलन
समाचार अनुवर्तन
समाचार समितियों की भूमिका
संवाददाता और जनसंपर्क

इकाई-3 **पत्रकारिता लेखन**

समाचार
संपादकीय
रिपोर्टिंग
समीक्षा
फीचर
अग्रलेख
साक्षात्कार

इकाई-4 मुद्रण एवं संपादन कला

मुद्रण में कंप्यूटर का प्रयोग

समाचार एवं समाचारेतर सामग्री का संपादन

शीर्षक

प्रूफ रीडिंग

ले आउट एवं साज-सज्जा

भाषा

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3x25=75 अंक
एक व्यावहारिक लेखन संबंधी प्रश्न	1x25=25 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1.	हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास	कृष्ण बिहारी मिश्र
2.	समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे	राजकिशोर
3.	आज की हिन्दी पत्रकारिता	सुरेश निर्मल
4.	पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा	आलोक मेहता
5.	समाचार, फीचर लेखन एवं संपादल कला	हरिमोहन
6.	हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और संरचना	चंद्रदेव यादव
7.	संपादन-पृष्ठ सज्जा और मुद्रण	प्रो. रमेश जैन
8.	इंटरव्यू - सिद्धांत, तकनीक और व्यवहार	विष्णु पंकज
9.	पत्रकारिता और संपादन कला	प्रेमनाथ राय
10.	फीचर लेखन : सृष्टि	डॉ. पूरन चंद

पाठ्यक्रम-11 **मौखिकी** **पूर्णांक: 100**